एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 CT01

प्रश्न-पत्र I . काव्य (गद्य, पद्य , और निबन्ध)

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

कादम्बरी (कथामुखम्)।

शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग)।

निबन्ध।

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम इकाइयां

प्रथम इकाई - कादम्बरी (कथामुख) से व्याख्या।

द्वितीय इकाई - कादम्बरी (कथामुख) की विषयवस्तु व कर्ता से सम्बन्धित प्रश्न।

तृतीय इकाई - शिशुपालवध के प्रथम सर्ग

चतुर्थ इकाई - शिशुपालवध के प्रथम-सर्ग पर आधारित प्रश्न, माघ का व्यक्तित्व, माघ की भाषा-शैली आदि ।

पंचम इकाई - निबन्ध

सहायक पुस्तकें:-

(1) कादम्बरी (कथामुखम्) - बाणभट्ट

(2) शिशुपालवधम् (प्रथमसर्ग)- महाकवि माघ

(3) कादम्बरी - एक सांस्कृतिक अनुशीलन - वासुदेवशरण अग्रवाल

(4) बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन - अमरनाथ पांडेय

(5) महाकवि माघ - डॉ. मनमोहन शर्मा

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 CT02

प्रश्न-पत्र II - चार्वाक,बौद्ध एवं जैन दर्शन

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. सर्वदर्शनसंग्रह - माधवाचार्य (चार्वाक, बौद्ध एवं जैनदर्शन मात्र)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम इकाइयां

प्रथम इकाई - चार्वाक दर्शन (सर्वदर्शनसंग्रह)
द्वितीय इकाई - बौद्ध दर्शन (सर्वदर्शनसंग्रह)
तृतीय इकाई - जैनदर्शन (सर्वदर्शनसंग्रह) 3 से 26 वीं कारिका पर्यन्त ।
चतुर्थ इकाई - जैनदर्शन (सर्वदर्शनसंग्रह) 27वीं कारिका से 62 कारिका पर्यन्त
पंचम इकाई - चार्वाक, बौद्ध एवं जैनदर्शन का परिचय, प्रतिपाद्य एवं महत्त्व

सहायक पुस्तके :-

(1) सर्वदर्शनसंग्रह - माघवाचार्य
(2) भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय
(3) भारतीय दर्शन - सर्वपल्ली राधाकृष्णन
(4) भारतीय दर्शन - दत्ता एण्ड चटर्जी
(5) जैन दर्शन - मोहनलाल मेहता

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP03 (A)

प्रश्न-पत्र III - साहित्य -शास्त्र - II

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट (सप्तम एवं अष्टम उल्लास)

वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम-उन्मेष)

साहित्यशास्त्र के प्रमुख आचार्यो का सामान्य-परिचय

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम इकाइयाँ

प्रथम इकाई - काव्यप्रकाश का सप्तम व अष्टम उल्लास।

द्वितीय इकाई - काव्यप्रकाश के सप्तम एवं अष्टम उल्लास पर आधारित प्रश्न।

तृतीय इकाई - वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम-उन्मेष)

चतुर्थ इकाई - वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम-उन्मेष) विषयवस्तु तथा वक्रोक्तिजीवितकार के व्यक्तित्व और कृतित्व।

पंचम इकाई - साहित्यशास्त्र के प्रमुख आचार्यों का सामान्य परिचय।

सहायक पुस्तके:-

(1) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट

(2) वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम-उन्मेष) - आचार्य कुन्तक

(3) भारतीय साहित्य शास्त्र - जी. टी. देशपाण्डे

(4) भारतीय साहित्य शास्त्र - भाग 1 व 2 पण्डित बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP03 (B)

प्रश्न-पत्र III - मीमांसा दर्शन

पाठ्यक्रम **80 अंक**

अर्थसंग्रह - लौगाक्षिभास्कर

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई - विधि भाग

द्वितीय इकाई - मन्त्र भाग

तृतीय इकाई - नामधेय भाग

चतुर्थ इकाई - निषेध

पंचम इकाई - अर्थवाद और मीमांसा दर्शन का सामान्य परिचय एवं मुख्य प्रतिपाद्य विषय

सहायक पुस्तके

1. अर्थसंग्रह - लौगाक्षिभास्कर
2. मीमांसा दर्शन - वाचस्पति उपाध्याय
3. भारतीय दर्शन - डॉ. उमेश मिश्र

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP04 (A)

प्रश्न-पत्र IV- नाटक एवं काव्य

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1) वेणीसंहार

2) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)

3) संस्कृत के प्रमुख नाटकों का परिचयात्मक ज्ञान

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ:-

प्रथम इकाई - वेणीसंहार नाटक, व्याख्येय भाग।

द्वितीय इकाई - वेणीसंहार नाटक की विषय वस्तु नाटककार

तृतीय इकाई - रघुवंशम् (प्रथम-सर्ग)

चतुर्थ इकाई - रघुवंशम् की विषयवस्तु तथा कालिदास

पंचम इकाई - संस्कृत के प्रमुख नाटकों का परिचयात्मक ज्ञान

सहायक पुस्तके:-

(1) वेणीसंहारम् - भट्ट नारायण

(2) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) - महाकवि कालिदास

(3) संस्कृत साहित्य का इतिहास (लौकिक-खण्ड) - प्रीतिप्रभा गोयल

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP04 (B)

प्रश्न-पत्र IV - योग दर्शन

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

योगसूत्र - महर्षि पतंजलिकृत (भोजवृत्ति सहित) समाधिपाद, साधनपाद और विभूति पाद के 1 से 6 सूत्र पर्यन्त ।

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ -

प्रथम इकाई - योगसूत्र - प्रथम समाधिपाद को 1 से 51 सूत्रपर्यन्त

द्वितीय इकाई - योगसूत्र - प्रथम समाधिपाद से सम्बन्धित प्रश्न

तृतीय इकाई - योगसूत्र - द्वितीय साधनपाद सूत्र 1 से 26 पर्यन्त

चतुर्थ इकाई - योगसूत्र - द्वितीय साधनपाद सूत्र 27 से तृतीय विभूतिपाद के 1-6 सूत्र पर्यन्त

पंचम इकाई - योग-दर्शन का सामान्य परिचय, प्रतिपाद्य, योगसूत्र, परिचय एवं प्रतिपाद्य, समाधिपाद/साधन पाद, विषयवस्तु सार, योग का लक्षण, जीवन मे महत्त्व एवं उपादेयता ।

सहायक पुस्तके:-

(1) योगसूत्र - पतंजलि (भोजवृत्ति सहित)
(2) पातंजलयोगप्रदीप - स्वामी ओमानन्द तीर्थ गीता प्रेस ,गोरखपुर
(3) भारतीय दर्शन - दत्ता एण्ड चटर्जी
(4) भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय
(5) भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र
(6) व्यासभाष्य - वेद व्यास

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP05 (A)

प्रश्न-पत्र V- नाट्यशास्त्र

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1) नाट्यशास्त्र ((षष्ठ अध्याय मात्र)

2) दशरूपकम् (प्रथम एवं तृतीय प्रकाश मात्र)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई - नाट्य-शास्त्र (षष्ठ अध्याय मात्र) के श्लोक 1 से 30 तक

द्वितीय इकाई - नाट्य-शास्त्र (षष्ठ अध्याय मात्र) के श्लोक 31 से अध्याय पर्यन्त

तृतीय इकाई - नाट्य-शास्त्र (षष्ठ अध्याय) पर आधारित प्रश्न

चतुर्थ इकाई - दशरूपकम् (प्रथम प्रकाश)

पंचम इकाई - दशरूपकम् (तृतीय प्रकाश)

सहायक पुस्तके:-

(1) नाट्यशास्त्र - भरतमुनि

(2) दशरूपकम् - धनंजय

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019
प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP05 (B)
प्रश्न-पत्र V - न्याय वैशेषिक दर्शन -II

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली - विश्वनाथ (प्रत्यक्ष खण्ड कारिका 47 से 65 तक)
2. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली - विश्वनाथ (अनुमान खण्ड कारिका 66 से 78 तक)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई - न्यायसिद्धान्त मुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 47 से 65 तक व्याख्यांश।

द्वितीय इकाई - न्यायसिद्धान्त मुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 47 से 65 तक विषय वस्तु आधारित प्रश्न।

तृतीय इकाई - न्यायसिद्धान्त मुक्तावली: अनुमान खण्ड की कारिका 66 से 78 तक व्याख्यांश।

चतुर्थ इकाई - अनुमान खण्ड पर आधारित प्रश्न।

पंचम इकाई - न्याय वैशेषिक दर्शन का सामान्य परिचय एवं प्रमुख सिद्धान्त।

सहायक पुस्तके:-

1. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली - ज्वालाप्रसाद गौड
2. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) - डॉ. धर्मेन्दनाथ शास्त्री
3. भारतीय दर्शन न्याय-वैशेषिक - डॉ. धर्मेन्दनाथ शास्त्री
4. भारतीय न्याय शास्त्र - डॉ. ब्रह्ममित्र अवस्थी
5. वैशेषिक दर्शन - डॉ. श्री नारायण मिश्र
6. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली 'किरणावली' समारव्याख्योपेता व्याख्याकार - पं. श्रीकृष्ण वल्लभाचार्य चैखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी।
7. भारतीय दर्शन की रूपरेखा - प्रो. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, (मोतीलाल बनारसीदास)
8. भारतीय दर्शन - डॉ. उमेश मिश्र

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019
प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP06 (A)
प्रश्न-पत्र VI - विशेष अध्ययन - कालिदास (महाकाव्य)

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. कालिदास के महाकाव्य - रघुवंशम्
2. कालिदास के महाकाव्य - कुमारसंभवम्

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई - रघुवंशम् (सर्ग 1, 2)
द्वितीय इकाई - रघुवंशम् (सर्ग 6, 13)
तृतीय इकाई - कुमारसंभवम् (सर्ग 1, 2, 3)
चतुर्थ इकाई - कुमारसंभवम् (सर्ग 4 - 5)
पंचम इकाई - संस्कृत महाकाव्य परम्परा में कालिदास का योगदान तथा कालिदास के महाकाव्यों की शास्त्रीय समीक्षा।

सहायक पुस्तके:-

1. कालिदास ग्रन्थावली - पं. रेवा प्रसाद द्विवेदी
2. कालिदास ग्रन्थावली – पं.सीताराम चतुर्वेदी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास - पं. बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP06 (B)

प्रश्नपत्र VI - विशेष अध्ययन - शंकर

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. आचार्य शंकर व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. विवेक चूड़ामणि

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई	-	आचार्य शंकर व्यक्तित्व परिचय
द्वितीय इकाई	-	आचार्य शंकर की कृतियों का परिचय
		भारतीय दार्शनिक परम्परा को आचार्य शंकर का योगदान एवं महत्व
तृतीय इकाई	-	विवेक-चूड़ामणिश्लोक 1 - 103
चतुर्थ इकाई	-	विवेक-चूड़ामणिश्लोक 104- 193
पंचम इकाई	-	विवेक-चूड़ामणि श्लोक 194- 251

सहायक पुस्तके:-

1. विवेक चूड़ामणि - गीताप्रेस गोरखपुर
2. शंकराचार्य - उमा शंकर शर्मा
3. भारतीय दर्शन - राधाकृष्णन्
4. विवेक चूड़ामणि - स्वामी प्रखरप्रज्ञानन्द सरस्वती (चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी)

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 07 AU02

प्रश्नपत्र VII – प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं श्रीमद्भगवद्गीता

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. प्राचीन भारतीय संस्कृति
2. श्रीमद्भगवद्गीता

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई - प्राचीन भारतीय संस्कृति - वर्ण, आश्रम, पुरुषार्थ, ऋण

द्वितीय इकाई - प्राचीन भारतीय संस्कृति कि विशेषताऐं - संस्कार विवाह महायज्ञ

तृतीय इकाई - प्राचीन भारतीय संस्कृति कि विशेषताऐं - प्राचीन विद्या केंद्र तथा विद्यास्थान, भारतीय संस्कृति का विस्तार

चतुर्थ इकाई - श्रीमद् भगवद्गीता - द्वितीय अध्याय पूर्वार्ध

पंचम इकाई - श्रीमद् भगवद्गीता - द्वितीय अध्याय उत्तरार्द्ध

सहायक पुस्तके:-

1. प्राचीन भारत कि सामाजिक संस्कृति - प्रो. रामजी उपाध्याय
2. भारतीय संस्कृति
3. श्रीमद् भगवद्गीता - सं. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
4. श्रीमद् भगवद्गीता (2-3 अध्याय) - सं. प्रो. दयानंद भार्गव

Note: **Postgraduate programmes in Social Sciences& Humanities** enable students to develop expertise in their special areas of study and inculcate in them a keen interest in research. These courses are designed in such a way that students not only acquire the knowledge of the latest developments in their field but also try to contribute to further the developments. Postgraduate programmes are linked to the employment needs. organizations, thus forging a vital link between the University and Society.

1. Core Courses (Basic / Fundamental Courses) ARE 4 credits each.(CC for Semester I & II)
2. ELECTIVES(Advanced Courses) should be within 4 credits each (EC for Semester III & IV).
3. Each student for each paper will submit Assignment/ Project work/ Seminar Presentation which will be mandatory for Core Courses & Electives and shall be assign 1 credit each
4. ADD On / Foundation Courses: Each student will have to complete two add on Audit courses of 2 credit each in Second & fourth semesters as compulsory courses

a). Language &Communication Skills in English

b). Practical Ethics, Human Rights & Environmental Awareness

c). Personality Development& Well-Being

d). Community Work